



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 141]  
No. 141]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

अधिसूचना

सं. 162/90—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 419(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क  
प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की  
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,  
इह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना  
प्रावश्यक है, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट माल के  
विनिर्माण के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत सामग्री और संघ-  
टकों (जिन्हें परिरूपित उत्पाद कहा गया है) को जब उनका  
किसी शतप्रतिशत निर्यातान्मुखी उपक्रम या किसी मुक्त  
व्यापार जोन के भीतर एकक को प्रदाय के लिए परिरूपित  
उत्पादों के किसी विनिर्माता द्वारा भारत में आयात किया

जाता है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का  
51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त  
सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, की धारा  
3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से,  
निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

- (1) विनिर्माता को पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अपरिष्कृत  
सामग्री या संघटकों, या दोनों के आयात के लिए  
अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा एक विशेष अग्रदाय  
अनुज्ञप्ति जारी की गई है और वह आयात के  
पत्तन पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को प्रस्तुत  
की जाती है:—
- (2) उक्त अग्रदाय अनुज्ञप्ति में अन्य बातों के साथ  
साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट किया गया है,—  
(क) उक्त अनुज्ञप्ति के अधीन आयात की जाने  
वाली अपरिष्कृत सामग्री या संघटकों या  
दोनों का वर्णन, मात्रा और मूल्य,

(ख) विनिर्मित किए जाने वाले परिरूपित उत्पादों का वर्णन और मात्रा;

(3) आयातकर्ता उक्त अग्रदाय अनुज्ञप्ति की बाबत आयात-निर्यात नीति में विनिर्दिष्ट सभी अपेक्षाओं का पालन करता है:—

(4) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और उतनी राशि का जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, आयात के पत्तन पर इस आशय का एक बंधपत्र निष्पादित करती है कि—

(i) अपरिष्कृत सामग्री या संघटकों या दोनों का ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा और आयातकर्ता द्वारा विनिर्मित परिरूपित उत्पाद का किसी शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम या किसी मुक्त व्यापार जोन के भीतर किसी एकक को प्रदाय किया जाएगा;

(ii) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए आयातकर्ता के कारखाने में अभिप्राप्त और खपत की गई उक्त सामग्री या संघटकों या दोनों का खेज्रा बनाए रखा जाएगा;

(iii) वह ऐसे सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा जिसकी अधिकारिता में ऐसा कोई शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम या मुक्त व्यापार जोन में कोई एकक अवस्थित है, जारी किया गया एक प्रमाणपत्र 3 मास की अवधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर आयात के पत्तन पर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा जिसमें, यथास्थिति, आयातकर्ता द्वारा शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम या मुक्त व्यापार जोन के भीतर एकक को प्रदाय किए गए परिरूपित उत्पाद का वर्णन और उसकी मात्रा और उस शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम या मुक्त व्यापार जोन में एकक के व्यौरे जिनके द्वारा ऐसा माल प्राप्त किया गया है, उपदर्शित किए जाएंगे; और (iv) वह, उपरोक्त (i), (ii), या (iii) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में मांग किए जाने पर उतने शुल्क का संदाय करेगा जो यदि इसमें अन्तर्विष्ट छूट न होती तो अपरिष्कृत सामग्री या संघटकों या दोनों पर उद्ग्रहणीय शुल्क होता।

## सारणी

क्रम सं.	वर्णन
(1)	(2)
(1)	नालीदार कार्टन
(2)	टिन आधान
(3)	प्लास्टिक के बहिर्विधित/सांचे में ढले हुए/परिसज्जित उत्पाद।
(4)	बहुस्तर लेमेनीकृत टूटदार नली
(5)	वृत्ताकार हीरा आरी जिसमें खड लगे हों;
(6)	वृत्ताकार हीरा आरी के खंड।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

(क) “मुक्त व्यापार जोन” और “शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम” का वही अर्थ है जो उसका केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (i) के स्पष्टीकरण 2 में है।

(ख) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन किए गए आयात नियंत्रण, आदेश, 1955 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

[एफ सं० 346/88/89—टीआरयू]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 30th March, 1990

## NOTIFICATIONS

NO. 162/90-CUSTOMS

G.S.R. 419(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw materials and components required for the manufacture of the goods specified in the Table hereto annexed (hereinafter called the final products), when imported into India by a manufacturer of the final products for supply to a hundred per cent export-oriented undertaking or an unit within a free trade zone, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the manufacturer has been issued a Special Import Licence by the Licensing Authority for the import of raw materials or components, or both, for the aforesaid purpose and the same is submitted to the Assistant

Collector of Customs at the port of importation;

(2) the said imprest licence specifies, inter alia;

(a) the description, quantity and value of the raw materials or components, or both, to be imported under the said licence;

(b) the description and quantity of the final products to be manufactured.

(3) the importer complies with all the requirements specified in the Import Export Policy in respect of the said imprest licence;

(4) the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs at the port of importation to the effect that—

(i) the raw materials or components, or both, shall be used for the purpose specified above and that the final product manufactured by the importer shall be supplied to a hundred per cent export-oriented undertaking or an unit within a free trade zone;

(ii) an account of the said raw materials or components, or both, received and consumed in the factory of the importer for the aforesaid purpose shall be maintained;

(iii) he shall produce a certificate issued by the Assistant Collector of Customs in whose jurisdiction such a hundred per cent export-oriented undertaking or an unit in a free trade zone is situated indicating the description and quantity of the final product supplied by the importer to the hundred per cent export-oriented undertaking or the unit within a free trade zone, as the case may be, and the details of the hundred per cent export-oriented undertaking or the unit in the free trade zone by whom such goods have been received, within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs at the port of importation may allow; and

(iv) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (i), (ii) or (iii) above, the duty leviable on the raw materials or components, or both, but for the exemption contained herein.

TABLE

S. No.	Description
(1)	(2)
(1)	Corrugated cartons;
(2)	Tin containers;
(3)	Plastic extruded moulded fabricated products;
(4)	Multilayer laminated collapsible tubes;
(5)	Circular diamond saw fitted with segments;
(6)	Segments of circular diamond saw.

Explanations : For the purpose of this notification,—

(a) “free trade zone” and “hundred per cent export-oriented undertaking” have the same meanings as in Explanation 2 to sub-section (1) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

(b) “licensing authority” means an authority competent to grant a licence under the Imports (Control) Order, 1955, made under the Import and Export (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 346/88/89-TRU]

सं. 163/90-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 420(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1990 के खंड 62 के उपखंड (4) के साथ पठित, जो खंड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त वित्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 140/90-सीमाशुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 268 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“269 सं. 162-सीमाशुल्क तारीख 30 मार्च, 1990”

[फा.सं. 346/88/89-टीआरयू]

आर.के. महाजन, अवर सचिव

## NO. 163|90-CUSTOMS

G.S.R. 420(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 62 of the Finance Bill, 1990, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931) the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Depart-

ment of Revenue) No. 140|90-Customs, dated 20th March, 1990, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 268 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“269. No. 162-Customs, dated the 30th March, 1990”.

[F. No. 346|88|89-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.